हिन्दी दैनिक

RNI-BIHHIN/2012/43368

नवशक्ति

www.navshaktinews.in

navshakti news paper patna

वर्ष : 14, अंक : 10 | पटना, मंगलवार, 25 फरवरी, 2025 | पृष्ठ, : 8 मूल्य : दो रुपये

सुपरफूड मखाना हो या फिर भागलपुर का सिल्क, हमारा फोकस बिहार के ऐसे विशेष उत्पादों को दुनिया भर के बाजारों तक पहुंचाने पर है: प्रधानमंत्री

भागलपुर, (नवशक्ति)। किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के भागलपुर से पीएम किसान की 19वीं किस्त जारी की। उन्होंने इस अवसर पर कई विकास परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया। श्री मोदी ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के पवित्र काल में मंदराचल की धरती पर कदम रखना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि इस स्थान में आध्यात्मिकता, विरासत के साथ-साथ विकसित भारत की क्षमता भी है। श्री मोदी ने कहा कि यह शहीद तिलका मांझी की भूमि होने के साथ-साथ सिल्क सिटी के रूप में भी प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि बाबा अजगैबीनाथ की पावन धरती पर आगामी महाशिवरात्रि की भी तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे पवित्र अवसर पर पीएम किसान की 19वीं किस्त जारी करना उनके लिए सौभाग्य की बात है और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से लगभग 22,000 करोड़ रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा किए गए।प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के लगभग 75 लाख किसान परिवार पीएम किसान योजना के लाभार्थी हैं, जिनकी 19वीं किस्त आज जारी की गई। उन्होंने कहा कि आज बिहार के किसानों के बैंक खातों में लगभग 1,600 करोड़ रुपये सीधे जमा किए गए। उन्होंने बिहार और देश के अन्य हिस्सों के सभी किसान परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने कहा, विकसित भारत के चार मुख्य स्तंभ हैं: गरीब, किसान, युवा और महिलाएं।। उन्होंने कहा कि चाहे केंद्र हो या राज्य सरकार, किसानों का कल्याण प्राथमिकता बनी हुई है। श्री मोदी ने कहा, ।हमने पिछले एक दशक में किसानों की हर समस्या को हल करने के लिए पूरी ताकत से काम किया।। उन्होंने कहा कि किसानों को अच्छे बीज, पर्याप्त और सस्ती खाद, सिंचाई की सुविधा, अपने पशुओं को बीमारियों से बचाने और आपदाओं के दौरान नुकसान से बचाने की जरूरत है। पहले, किसान इन मुद्दों से त्रस्त थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने इस स्थिति को बदल दिया है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हाल के वर्षों में किसानों को सैकड़ों आधुनिक बीज किस्में उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि पहले किसानों को यूरिया के लिए संघर्ष करना पड़ता था और कालाबाजारी का सामना करना पड़ता था, जबकि आज किसानों को पर्याप्त खाद मिल रही है। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि महामारी के बड़े संकट के दौरान भी, सरकार ने सुनिश्चित किया कि किसानों के लिए खाद की कोई कमी न हो। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार नहीं चुनी गई होती, तो किसान अभी भी खाद के लिए संघर्ष कर रहे होते। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बरौनी उर्वरक संयंत्र अभी भी बंद होता और भारतीय किसानों को 300 रुपये प्रति बैग से कम कीमत पर मिलने वाले उर्वरक कई देशों में 3,000 रुपये प्रति बैग में बेचे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि यूरिया बैग, जिसकी कीमत 3,000 रुपये होती, आज सस्ती कीमत पर उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनके लाभ के लिए काम करती है। उन्होंने कहा कि यूरिया और डीएपी की लागत, जो किसानों को वहन करनी पड़ती, केंद्र सरकार द्वारा वहन की जा रही है। श्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने लगभग 12 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए हैं, जो किसानों की जेब से खर्च करने होते। उन्होंने कहा कि इससे देश भर के करोड़ों किसानों के लिए महत्वपूर्ण धनराशि बच गई है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि अगर उनकी सरकार नहीं चुनी जाती तो किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं मिलता। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि योजना की शुरूआत के बाद से छह वर्षों में लगभग 3.7 लाख करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में जमा किए गए हैं। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि छोटे किसान, जिन्हें पहले सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिलता था, अब वे अपना हक पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिचौलिए छोटे किसानों के अधिकारों का शोषण करते थे, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि उनके और श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने इसकी तुलना पिछली सरकारों से की और इस बात पर प्रकाश डाला कि उनकी सरकार ने किसानों के बैंक खातों में सीधे अंतरित की गई राशि पिछली सरकारों द्वारा आवंटित कृषि बजट से कहीं अधिक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के प्रयास केवल किसानों के कल्याण के लिए समर्पित सरकार द्वारा ही किए जा सकते हैं, न कि भ्रष्ट व्यवस्थाओं द्वारा।

श्री मोदी ने कहा कि पिछली सरकारों ने किसानों की कठिनाइयों की परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि अतीत में जब बाढ़, सूखा या ओलावृष्टि होती थी, तो किसानों को खुद के हाल पर छोड़ दिया जाता था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2014 में उनकी सरकार को लोगों का आशीर्वाद मिलने के बाद उन्होंने घोषणा की कि यह रवैया जारी नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना शुरू की, जिसके तहत किसानों को आपदाओं के दौरान 1.75 लाख करोड़ रुपये के दावे का भुगतान किया गया हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार भूमिहीन और छोटे किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पशुपालन गांवों में ।लखपति दीदी। बनाने में मदद कर रहा है और अब तक देश भर में लगभग 1.25 करोड़ लखपति दीदी बनाई गई हैं, जिनमें बिहार की हजारों जीविका दीदी भी शामिल हैं। श्री मोदी ने इस उपलब्धि में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए कहा, ।पिछले एक दशक में भारत का दूध उत्पादन 14 करोड़ टन से बढ़कर 24 करोड़ टन हो गया है, जिससे दुनिया के नंबर एक दूध उत्पादक के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हुई है।। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बिहार में सहकारी दुग्ध संघ प्रतिदिन 30 लाख लीटर दूध खरीदते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बिहार के पशुपालकों, माताओं और बहनों के खातों में सालाना 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की जाती है।प्रधानमंत्री ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि श्री राजीव रंजन द्वारा डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रयासों को कुशलतापूर्वक आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनके प्रयासों के कारण बिहार में दो परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि मोतिहारी में उत्कृष्टता केंद्र देशी मवेशियों की बेहतर नस्लों के विकास में सहायता करेगा। इसके अतिरिक्त, बरौनी में दूध संयंत्र से क्षेत्र के तीन लाख किसानों को लाभ होगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

मछुआरों और नाविकों की मदद न करने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना करते हुए, श्री मोदी ने यह बताया कि पहली बार उनकी सरकार ने मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान किए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे प्रयासों के कारण, बिहार ने मछली उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि दस साल पहले, बिहार देश के शीर्ष 10 मछली उत्पादक राज्यों में से एक था, लेकिन आज, बिहार भारत के शीर्ष पांच मछली उत्पादक राज्यों में से एक बन गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मत्स्य पालन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने से छोटे किसानों और मछुआरों को काफी लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि भागलपुर गंगा डॉल्फिन के लिए भी जाना जाता है, जो नमामि गंगे अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता है।प्रधानमंत्री ने कहा, ।हाल के वर्षों में हमारी सरकार के प्रयासों से भारत के कृषि निर्यात में अत्यधिक वृद्धि हुई है।। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप किसानों को अब उनकी उपज के लिए बेहतर मूल्य मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई कृषि उत्पाद, जिनका पहले कभी निर्यात नहीं किया जाता था, अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंच रहे हैं। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अब बिहार के मखाना के लिए वैश्विक बाजार में प्रवेश करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि मखाना भारतीय शहरों में नाश्ते का एक लोकप्रिय हिस्सा बन गया है और इसे सुपरफूड माना जाता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट में मखाना किसानों के लिए मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा की गई है, जिससे किसानों को मखाना उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन सहित हर पहलू में मदद मिलेगी।

बजट में बिहार के किसानों और युवाओं के लिए एक और महत्वपूर्ण पहल का जिक्र करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि बिहार पूर्वी भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक प्रमुख केंद्र बनने के लिए तैयार है। उन्होंने बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी और उद्यमिता संस्थान की स्थापना की घोषणा की। इसके अतिरिक्त, राज्य में कृषि में तीन नए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इनमें से एक केंद्र भागलपुर में स्थापित किया जाएगा, जो आम की जदार्लू किस्म पर केंद्रित होगा, अन्य दो केंद्र मुंगेर और बक्सर में स्थापित किए जाएंगे, जो टमाटर, प्याज और आलू की खेती करने वाले किसानों को सहायता प्रदान करेंगे। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार किसानों को लाभ पहुंचाने वाले निर्णय लेने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

भागलपुर के हवाई अड्डा मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते भाजपा नेता सत्येंद्र राय।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का विकास हो रहा है और बिहार के विकास में भी इनका सहयोग मिल रहा है : नीतीश कुमार

भागलपुर, (नवशक्ति)। भागलपुर के हवाई अड्डा मैदान में आयोजित पी.एम. किसान सम्मान निधि हस्तांतरण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुये। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि आज बड़ी खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री जी नरेंद्र मोदी जी हमालोगों के बीच आज भागलपुर आये हैं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का स्वागत करता हूं। यहां उपस्थित सभी लोगों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूं। ये हमारे लिये सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री जी द्वारा बिहार से देशभर के किसानों के लिये किसान सम्मान निधि की राशि उनके खाते में भेजी जा रही है, इसमें बिहार के 76 हजार से अधिक किसान भी शामिल हैं। यह केंद्र सरकार की बहुत महत्वपूर्ण योजना है जिसमें सीधा किसानों को फायदा मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने शुरू से ही कृषि पर जोर दिया है। इसके लिये कृषि रोड मैप बनाकर कृषि विकास कार्यक्रम चलाये गये। वर्तमान में चौथा कृषि रोड मैप क्रियान्वित है। कृषि रोड मैप लागू करने से कृषि का उत्पादन काफी बढ़ा है। साथ ही दूध, अंडा, मांस एवं मछली का उत्पादन भी बहुत बढ़ गया है। पहले हम यहां मछली दूसरे राज्यों से मंगाते थे। अब मछली के उत्पादन में हम आत्मनिर्भर हो गये हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश का विकास हो रहा है और बिहार के विकास में भी इनका सहयोग मिल रहा है। पिछले बजट में बिहार के लिये आर्थिक सहायता के रूप में सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन एवं बाढ़ नियंत्रण के लिये बड़ी राशि देने की घोषणा की गई। इस वर्ष के बजट में भी बिहार में मखाना बोर्ड, ग्रीन फिल्ड एयरपोर्ट की स्थापना, पश्चिमी कोसी नहर के लिये वित्तीय सहायता, राष्ट्रीय स्तर के प्रसंस्करण संस्थान की स्थापना एवं पटना आई०आई०टी० के विस्तार की घोषणा की गई। पिछले बजट में भी सरकार बनने के बाद भी बिहार को सहायता दी गयी थी। इन सब चीजों के लिये मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हृदय सेअभिनंदन करता हूं, धन्यवाद देता हूं। बिहार की प्रगति में केंद्र का सहयोग सराहनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग यहां 24 नवंबर 2005 को सरकार में आये। हमलोगों की सरकार बनी थी तब से हमलोग बिहार के विकास में लगे हुए हैं और सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। जब हमलोग पहली बार सरकार में आये थे तो उस समय क्या स्थिति थी? शाम के बाद कोई घर से बाहर नहीं निकलता था, ये बुरा हाल था। समाज में हिंदू-मुस्लिम का भी झगड़ा वो लोग कराते रहते थे। वोट मुस्लिम का ले लेते थे लेकिन झगड़ा होते रहता था। पढ़ाई की स्थिति खराब थी। उनलोगों के कार्यकाल में इलाज का पूरा इंतजाम नहीं था। सड़कें बहुत कम थीं और जो सड़कें थीं उनका बुरा हाल था। बिजली तो बहुत कम थी। देहाती इलाकों में कहां बिजली थी? राजधानी पटना में मुश्किल से 8 घंटे बिजली रहती थी।

सरकार में आने के बाद हमलोगों ने काफी काम किया। राज्य में कहीं भी भय का वातावरण नहीं है। राज्य में प्रेम, भाईचारा और शांति का माहौल है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी सहित सभी क्षेत्रों में काफी काम किया गया है। वर्ष 2005-06 में राज्य का बजट मात्र 28 हजार करोड़ रुपया था। हमलोगों की सरकार तो 24 नवंबर 2005 में आई थी। हमलोगों ने लगातार काम किया और अब बिहार का बजट 3 लाख करोड़ से अधिक का हो गया है। प्रधानमंत्री जी का सब तरह से सहयोग मिल रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में हम प्रगति यात्रा में सभी जिलों में गये। सभी जिलों में विकास के कामों को देखा, जहां पर जो काम बचे या कमी रह गई उसका आंकलन किया गया। आप जानते हैं कि 400 से अधिक नई योजनाओं की स्वीकृति दी गई है, जिन पर लगभग 30 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे।

हमलोगों ने देख लिया है, जहां-जहां जो कमी रह गई है उसको पूरा किया जायेगा। हमलोग मिलकर काम करेंगे और बिहार को विकसित राज्य बनाने का सपना पूरा करेंगे। देश को विकसित बनाने में हमलोग अपना योगदान देंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूं।

किसानों को स्वावलंबी और सशक्त बनाने की दिशा में एनडीए सरकार अग्रसर : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना, (नवशक्ति)। जनता दल (यू0) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि भागलपुर की धरती से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा देश के 9 करोड़ 80 लाख से अधिक अन्नदाताओं के बैंक खाते में किसान सम्मान निधि के तहत 19 वीं किस्त जारी किया जाना समस्त बिहारवासियों के लिए अत्यंत गौरवमयी क्षण है। जिसके तहत केवल बिहार के तकरीबन 76 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार किसानों को स्वावलंबी और सशक्त बनाने की दिशा में कई योजनाएं चलाई जा रही है, जिसका असर जमीन पर भी नजर आता है। साथ ही भागलपुर की धरती से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को कई सौगात देने का काम किया है। जिसमें मुख्य रूप से 526 करोड़ रुपये की लागत से रिसलीगंज-नवादा-तिलैया रेल खंड का दोहरीकरण, 47 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस्माइलपुर-रफीगंज सड़क एवं 113.27 करोड़ रुपये की लागत से डेयरी उत्पाद संयंत्र है।

श्री कुशवाहा ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार किसानों की आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। वर्ष 2008-12 में पहला कृषि रोड मैप बजट 7 हजार 62 करोड़ का था। वहीं, 2023-28 का चैथा कृषि रोडमैप 1 लाख 62 हजार करोड़ का हो चुका है। यह परिवर्तन किसानों के प्रति नीतीश सरकार की ईमानदार सोच को प्रदर्शित करता है। धान, मक्का, गेहूँ और आलू की उत्पादकता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। साथ ही बिहार में मछली का उत्पादन भी कई गुना बढ़ा है। जिसका जिक्र माननीय प्रधानमंत्री ने भी अपने संबोधन में किया।

दहशतगर्दी से जम्मू-कश्मीर के एक भी व्यक्ति की जान न जाए, ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाना हमारा लक्ष्य: अमित शाह

दिल्ली, (नवशक्ति)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में वतन को जानो कार्यक्रम के तहत जम्मू-कश्मीर के 250 बच्चों से संवाद किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव और निदेशक, आसूचना ब्यूरो उपस्थित थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के युवाओं और बच्चों को देश के जीवंत विकास, सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराना है, ताकि वे सामाजिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से जुड़ाव महसूस करें।संवाद के दौरान केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि वतन को जानो कार्यक्रम हमारे देश को पहचानने का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि हमारा देश हमारा घर है और जिस तरह हम अपने पूरे घर को जानते हैं वैसे ही हमें पूरे देश को जानना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसीलिए भारत सरकार ने वतन को जानो कार्यक्रम बनाया।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने धारा 370 को खत्म कर पूरे वतन को एक कर दिया और अब कश्मीर के बच्चों का भी देश पर उतना ही अधिकार है जितना किसी अन्य प्रदेश के बच्चों का है।श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले दस साल से भारत को समृद्ध, आधुनिक और विकसित बनाने और दुनिया में प्रथम बनाने के लिए अनेक प्रयास किये गए हैं। आने वाले समय में दुनिया के बहुत सारे देशों से भारत में बच्चे पढ़ने आएंगे और जब भारत आगे बढ़ेगा तो सबका आगे बढ़ना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारत जितना समृद्ध, आधुनिक और विकसित होगा सभी को उतना ही फायदा होगा।केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी जी के शासन में जम्मू कश्मीर में शिक्षा , उद्योग, अस्पताल और पीने के पानी की व्यवस्था के साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर के बड़े-बड़े काम हुए हैं। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज कश्मीर में बना है, एशिया की सबसे बड़ी सुरंग कश्मीर में है, देश में एकमात्र केबल सस्पेंशन ब्रिज भी कश्मीर में बना है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर देश का अकेला ऐसा प्रदेश है जहां दो अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अक्कटर) हैं। जम्मू और कश्मीर में दो भारतीय प्रबंधन संस्थान (क्कट) हैं। यहाँ 24 बड़े कॉलेज और 8 विश्वविद्यालय भी बनाए गए हैं।

राज्य के चिकित्सकों ने देश और दुनिया में बढाया बिहार का मानः सम्राट चौधरी

पीएमसीएच होगा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल, बढ़ेगा बिहारियों का सम्मानः मंगल पांडेय

पटना। पटना मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) के शताब्दी समारोह में देश व दुनिया से आए चिकित्सकों के सम्मान में बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय की ओर से होटल मौर्या में रात्रि भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार सरकार के डिप्टी सीएम श्री सम्राट चौधरी भी उपस्थित रहें। माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय ने सभी आगंतुक चिकित्सकों का स्वागत किया। डिप्टी सीएम श्री सम्राट चौधरी ने कहा कि आप सभी चिकित्सकों ने पीएमसीएच के साथ - साथ बिहार का भी मान वैश्विक पटल पर बढ़ाया है। आप सभी ने स्वास्थ्य? के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट सेवा देकर एक विशिष्ट पहचान बनायी है। आपकी कार्य कुशलता के बदौलत बिहार की ख्याति देश और दुनिया में बढ़ी है। स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय ने कहा कि इस साल 2025 में पीएमसीएच सौ साल का हो गया। कॉलेज के शताब्दी समारोह में शामिल होने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एक दिवसीय प्रवास पर कल 25 फरवरी को बिहार आ रही हैं। शताब्दी समारोह में राज्य में कार्यरत चिकित्सकों के अलावा देश एवं विदेशों से काफी संख्या में पूर्ववर्ती छात्र शामिल हो रहे हैं।

जो हर्ष की बात है। यहां से मेडिकल की डिग्री लेकर छात्र पूरी दुनिया में कार्यरत हैं। पीएमसीएच को देश में सबसे बड़े सरकारी स्वास्थ्य सुविधा के रूप में विकसित किया जा रहा है। श्री पांडेय ने कहा कि पीएमसीएच दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल होने जा रहा है। 5,540 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस विश्वस्तरीय अस्पताल में मरीजों के लिए 5,462 बेड की सुविधा होगी। वहीं इस अस्पताल के छत पर एक हेलीपैड का प्रावधान किया गया है, जहां एयर एम्बुलेंस उतर सकती है।

यह अस्पताल मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में अपनी विश्व स्तरीय सुविधाओं से बदलते बिहार की तस्वीर बयां करने जा रहा है। इस अस्पताल का अतिशीघ्र उद्घाटन कर दिया जाएगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव व विकास आयुक्त श्री प्रत्यय अमृत, स्वास्थ्य सचिव श्री मनोज सिंह, कार्यपालक निदेशक श्री सुहर्ष भगत, आयुष्मान भारत के सीईओ श्री शशांक शेखर, स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव श्री अमिताभ सिंह समेत कई वरीय चिकित्सक मौजूद रहें।

साहित्य सम्मेलन 2 मार्च को मनाया जाएगा 'आनंदोत्सव-2025

पटना, (नवशक्ति)। सम्मेलन के 43 वें महाधिवेशन की व्यापक सफलता के उपलक्ष्य में आगामी २ मार्च को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में'आनंदोत्सव-2025' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें महाधिवेशन में मूल्यवान योगदान करने वाले विदुषी कवयित्रियों और मनीषी साहित्यकारों के साथ सम्मेलन-कर्मियों को 'सम्मेलन-गौरव', 'सम्मेलन सुधा', 'सम्मेलन-मार्तण्ड', 'सम्मेलन-प्रभा' एवं 'सम्मेलन-प्रकाश''अलंकरणों से विभूषित किया जाएगा। सम्मेलन-कर्मियों को भी 'सम्मेलन-सेवी' उपाधि प्रदान की जाएगी।एक संवाददाता-सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने बताया कि आनंदोत्सव में उद्घाटन-सह-सम्मान-समारोह के पश्चात स्वरुचि-सहभोज के बाद एक भव्य कवि-सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। समारोह में अतिथियों के अतिरिक्त सम्मेलन की कार्यसमिति और स्वागत समिति के सभी अधिकारी एवं सदस्यगण सपरिवार भाग लेंगे। उत्सव में आमंत्रित किए जाने वाले विशिष्ट-अतिथियों की भी सूची बनायी जा रही है।संवाददाता-सम्मेलन में आनंदोत्सव-२०२५ के स्वागताध्यक्ष डा कुमार अरुणोदय, संगठनमंत्री डा शालिनी पाण्डेय, प्रबंधमंत्री कृष्ण रंजन सिंह, अर्थमंत्री प्रो सुशील कुमार झा, संस्कृति-कर्मी अभय सिन्हा तथा मौरिसस से पधारी गिरमिटिया फाउंडेशन की अध्यक्ष स्वस्ति बोले भीखा भी उपस्थित थे। संवाददाता सम्मेलन से पूर्व, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने श्रीमती भीखा को मधुबनी-कला से युक्त अंग-वस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया।

पूर्व मछुआरा आयोग के उपाध्यक्ष स्व .मनी भूषण निषाद की पुण्य तिथि मनाई गई

पटना। पुनाईचक अवस्थित बिहार निषाद संघ के प्रदेश कार्यालय में आज बिहार निषाद संघ के संरक्षक एवं बिहार राज्य मछुआरा आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष स्व. कुमार मनी भूषण निषाद की 7वीं पुण्य तिथि समारोह का आयोजन संघ के प्रदेश अध्यक्ष ई हरेन्द्र प्रसाद निषाद की अध्यक्षता में किया गया ।

कार्यक्रम में उपस्थित संघ के सभी पदाधिकारियों ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। संघ के प्रधान महासचिव धीरेन्द्र निषाद ने उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये अपने जीवन भर निषाद समाज और अति पिछड़ा वर्ग के लोगों के साथ-साथ दलित समाज के विकास के लिए काम करने में

व्यस्त रहे इन्होंने निषाद समाज को अनुसूचित जन जाति में शामिल करने के लिए सरकार को पत्र लिखा था और इन्ही के पत्र के आधार पर कैबिनेट ने डिसिजन लिया और इस बात की अनुशंसा केन्द्र सरकार से की गई ।आज बिहार निषाद संघ उनके पुण्य तिथि के अवसर पर संकल्प लेता है कि उनके सपनों को साकार करते हुए उनके पदचिन्हों, सिद्धांतो और विचारों को जमीन पर उतारेगी। इनके निधन से समाज का अपूरणीय क्षति हुई है इनके पुण्य तिथि भाग लेने वालों में जीतेन्द्र कुमार, रघुनाथ महतो, प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्णा देवी,कुसुम देवी,जीबोधन निषाद मदन प्रसाद सिंह महासचिव सुरेश प्रसाद सहनी, दिलीप कुमार निषाद, विजय कुमार सहनी,कैलास सहनी,सुनील कुमार चौधरी,अभिमन्यु निषाद, रघुवीर महतो, कैलास चौधरी जयमंगल चौधरी पप्पू कुमार,संजय सहनी सहित कई लोगों ने भाग लिया।

बिहार में सड़क दुर्घटना की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक : भाकपा-माले

मसौढ़ी में सात लोगों की मौत पर माले ने जताया दुख, गोपाल रविदास ने घटनास्थल पर पहुंचकर की मदद

पटना, (नवशक्ति)। मसौढ़ी प्रखंड के धनिकचक मोड़ के पास ट्रक और ऑटो के बीच हुई भीषण टक्कर में सात से अधिक लोगों की दर्दनाक मौत पर भाकपा-माले ने गहरा दुख व्यक्त किया है। यह घटना कल रात हुई, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में मारे गए सभी लोग श्रमिकझमजदूर तबके से संबंधित हैं। यह हादसा इतना भीषण था कि दुर्घटनास्थल पर आधा दर्जन से अधिक शव पड़े हुए थे और मृतकों के परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल था। घटना की सूचना मिलते ही फुलवारीशरीफ के विधायक गोपाल रविदास तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मसौढ़ी और मनेर प्रखंड के विभिन्न गांवों - हंसाड़ीह, नूरा, महदीपुर, डोरीपर, रामपुर

(मनेर), बेगमपुर आदि का दौरा किया और शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की। विधायक ने मृतकों के परिवारों को सांत्वना दी और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। घटनास्थल पर मृतकों के परिवारजन और आसपास के लोग अत्यंत दुखी और शोकाकुल थे। मृतकों की पहचान मजदूरी करने वाले परिवारों के सदस्य के रूप में की गई है। विधायक गोपाल रविदास ने घटना की गंभीरता को देखते हुए पटना जिलाधिकारी, आपदा प्रबंधन अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों से घटनास्थल पर ही बातचीत की और उन्हें पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने प्रशासन से मृतकों के परिवारों को तत्काल मदद देने की अपील की। गोपाल रविदास ने सभी मृतक परिवारों को दो-दो क्विंटल अनाज देने और श्रमिक विभाग तथा आपदा प्रबंधन विभाग से सरकारी नियमानुसार मृतकों के परिवारों को दस-दस लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की। विधायक ने इस दुर्घटना के कारणों पर भी चिंता व्यक्त की। बताया जा रहा है कि दुर्घटना का कारण सड़क किनारे एक पेड़ था, जिससे वाहन की दिशा बदल गई और ट्रक और ऑटो दोनों पानी में गिर गए। इस हादसे में आशंका जताई जा रही है कि पानी में और भी शव हो सकते हैं। घटनास्थल पर वन्य अधिकारी, मसौढ़ी अनुमंडलाधिकारी और कई अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

भाकपा-माले विधायक ने राज्य में लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि राज्य सरकार को इस मामले में गंभीर रुख अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ठोस कदम नहीं उठाती, तो यह स्थिति और भी विकट हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

दयानंद सिंह स्मृति राजस्तरीय क्रिकेट महिला टूनार्मेंट का ट्रायल आज

पटना, (नवशक्ति)। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन से पंजीकृत, मीठापुर क्रिकेट क्लब तत्वाधान में आयोजित होने वाली दयानंद सिंह स्मृति राज्यस्तरीय महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का ट्रायल 25 फरवरी को शाखा मैदान राजेंद्र नगर पटना में होगा। आयोजन समिति सचिव रणजीत सिंह ने बताया की खिलाड़ियों को सारी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, रहने, खान पान के अलावा सभी को यूनिफॉर्म भी दिया जाएगा। साथ सभी टीमों का नाम चयन कर लिया गया जो देश के महापुरुषों नाम समर्पित है। टीम का नाम इस प्रकार है, बाबू वीर कुंवर सिंह, शहीद भगत सिंह, बटुकेश्वर दत्त, डाक्टर राजेंद्र प्रसाद, महात्मा गांधी एवम् सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम रखा गया जिसमे खिलाड़ी गण भाग लेंगी।

प्रधानमंत्री की परियोजना से बिहार के लोगों में जगी नई उम्मीद की किरण, डबल गति से प्रदेश का हो रहा विकास- श्याम सुंदर शरण

पटना। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम सुंदर शरन ने कहा, कि भागलपुर में पीएम मोदी ने सोमवार को 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना का सौगात बिहार को दी। इसके अलावा, बिहार के बरौनी में डेयरी प्लांट, नवादा-तिलैया रेलवे लाइन डबलिंग और इस्माइलपुर-रफीगंज जैसी परियोजनाएं भी शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं बिहार के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। हम प्रधानमंत्री को इस परियोजना के लिए धन्यवाद देते हैं। हमें उम्मीद है कि यह परियोजना जल्द ही पूरी होगी और इसके परिणामस्वरूप बिहार के लोगों को फायदा होगा इस परियोजना के शुभारंभ के साथ ही, बिहार के लोगों में एक नई उम्मीद की किरण जगी है। हमें उम्मीद है कि यह परियोजना न केवल बिहार के विकास को बढ़ावा देगी, बल्कि पूरे देश के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम होगी।

इलेक्रामा 2025 भारत के ऊर्जा भविष्य को मिली नई दिशा

पटना ,(नवशक्ति)। जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में अपनी यात्रा तेज कर रहा है और आत्मनिर्भर भारत के तहत एक वैश्विक विनिर्माण हब के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, वैसे-वैसे बिजली क्षेत्र की भूमिका आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। इस बदलते परिदृश्य में, आईईईएमए ने आज ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिकल शो इलेक्रामा 2025 की भव्य शुरुआत की। इलेक्रामा के 16वें संस्करण में भारत की विद्युत और ऊर्जा तकनीकों में क्षमता प्रदर्शित की गई है, जिससे इसकी भूमिका एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में और मजबूत होती है। भारत के माननीय मिनिस्टर ऑफ पावर एंड हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स मनोहर लाल खट्टर ने इस भव्य उद्घाटन की शोभा बढ़ाई और उन्होंने भारत के ऊर्जा से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और इस क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में श्नाइडर इलेक्ट्रिक के सीईओ ओलिवर ब्लूम; सीमेंस स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के सीईओ मथियस रेबेलियस; आईईईएमए के प्रेसिडेंट सुनील सिंघवी; इलेक्रामा 2025 के प्रेसिडेंट (इलेक्ट) एवं चेयरमैन विक्रम गंडोत्रा और आईईईएमए के वाइस प्रेसिडेंट एवं इलेक्रामा 2025 के वाइस चेयरमैन सिद्धार्थ भूतोरिया जैसे उद्योग जगत के दूरदर्शी लोग भी शामिल हुए, जिन्होंने इलेक्ट्रिकल और बिजली क्षेत्र के भविष्य पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, भारत के माननीय मिनिस्टर ऑफ पावर एंड हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स मनोहर लाल खट्टर ने ऊर्जा सुरक्षा, ग्रिड आधुनिकीकरण और स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जो राष्ट्र के विकसित भारत 2047 के लॉन्ग टर्म विजन के अनुरूप है।

स्वः रामविलास पासवान जी के सपने को साकार करने के लिए चिराग जी के हाथों को अल्पसंख्यक मजबूत करेगा : राजू तिवारी

पटना, (नवशक्ति)। लोजपा रा प्रदेश कार्यालय एक व्हीलर रोड पटना में अल्पसंख्यक सेल प्रदेश अध्यक्ष डाः सलीम साहिल के अध्यक्षता में अल्पसंख्यक सेल के प्रदेश पदाधिकारियों तथा जिला अध्यक्षों का बैठक हुई। कार्यक्रम की संचालन अल्पसंख्यक सेल के प्रधान महासचिव मोतिउल्लाह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी भी मौजूद रहे। बैठक को सम्बोधित करते हुए राजू तिवारी ने कहा कि अल्पसंख्यक सेल कि आज की बैठक में उपस्थिति यह दर्शाता है कि अल्पसंख्यक सेल लोजपा संस्थापक स्वः रामविलास पासवान जी के सपने को साकार करने के लिए चिराग जी के हाथों को अल्पसंख्यक मजबूत करेगा।

कार्यक्रम के दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने मुजफ्फरपुर निवासी गुलाम गौस उर्फ राजा तथा गया के ताहिर हुसैन तथा किशनगंज के अहमद रजा को पार्टी की सदस्यता भी दिलाई।पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डाः शाहनवाज अहमद कैफी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अल्पसंख्यक सेल पार्टी के संगठन को गांव के पगडंडी तक पहुंचाने का काम करेगा और अपने पार्टी के बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट विजन डॉक्यूमेंट को अल्पसंख्यकों के बीच रखते हुए अपने नेता चिराग पासवान के हाथों को मजबूत करेगा।अल्पसंख्यक सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद सरवर अली ने बड़े माला से पार्टी के नेताओं का स्वागत किया।

पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में पार्टी के प्रधान महासचिव संजय पासवान, पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी, प्रदेश चुनाव अभियान प्रमुख सुरेंद्र विवेक ,नौशाद आलम, इंतखाब आलम, प्रदेश महासचिव मोः कलामुद्दीन, अल्पसंख्यक सेल प्रदेश उपाध्यक्ष मोः कामरान खान, शमशाद अहमद, जीशान अहमद खान, इफ्तिखार अंसारी, नौशाद आलम, मोः ईशा, अकबर उर्फ अनवर नफीस अंसारी मौजूद थे।

मोदी के झांसे में नहीं आएगी बिहार की जनताः रामनरेश पाण्डेय

पटना, (नवशक्ति)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि बिहार की जनता झूठ और जुमलो में आने वाली नहीं है।

2015 और 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री ने जो घोषणाएं की थी, उसमें से एक भी घोषणा जमीन पर नहीं उतरी है। बिहार को न ही विशेष राज्य का दर्जा मिला है और न ही विशेष पैकेज। बाढ़ के स्थाई निदान के लिए नेपाल से आने वाली नदियों पर बहुउद्देश्यीय हाईडैम निर्माण को लेकर कोई पहल केंद्र के द्वारा नहीं किया गया है। चुनावी साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को भ्रमित करने के लिए केंद्र प्रायोजित देशभर की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन का दिखावा करने के लिए बिहार के भागलपुर आये थे, लेकिन अब बिहार की जनता झांसे में आने वाली नहीं है। बिहार की जनता एनडीए सरकार से मुक्ति चाहती है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान बिहार की बोली लगाई थी। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का ऐलान किया था, लेकिन विशेष राज्य का दर्जा देने से मुकर गया। किसानों की आमदनी दो गुनी करने के दावे करने वाली सरकार में किसान की आमदनी तोदोगुनी नहीं हुई, लेकिन खेती की लागत काफी बढ़ गई है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं। कृषि उपकरण, खाद,-बीज महंगे हो गए हैं। किसानों को समय पर खाद बीज नहीं मिल पाता है। भाजपा सरकार के कार्यकाल में बेरोजगारी बढ़ी है। बिहार के लोग पलायन करने को मजबूर हैं। प्रधानमंत्री अपने दौरे के क्रम में बिहार के विशेष राज्य के दर्जे पर कुछ नहीं बोले, बेरोजगारी और महँगाई कम करने के सवाल पर चुप रहे।

नरेंद्र मोदी जी के बिहार दौरे के खिलाफ पटना में लगे पोस्टर और पूछा क्या हुआ तेरा वादा: भाई अरुण

पटना, (नवशक्ति)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश महासचिव भाई अरुण कुमार ने कहा की माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के बिहार दौरे के दिन नरेंद्र मोदी जी के वादे को याद दिलाता हुआ पोस्टर, पटना के विभिन्न चौक चौराहे पर लगाया गया यहां तक की भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय के ठीक सामने भी पोस्टर लगाया गया जिसमें नरेंद्र मोदी जी के करीब 21 वादे को याद दिलाया गया इन बातों में प्रमुखता से पटना यूनिवर्सिटी को केंद्रीय विश्वविद्यालय के दर्जे बिहार को विशेष पैकेज देने का वादा का क्या हुआ बौद्धिक कॉरिडोर का क्या हुआ महंगाई घटाने को क्या हुआ बेरोजगारी समाप्त करने को क्या हुआ इन सभी बातों को याद दिलाता हुआ तथा नरेंद्र मोदी को चिढ़ाते हुए पोस्टर लगाकर विरोध किया पोस्टर लगाने वाले लोगों में भाई अरुण कुमार के अलावा गणेश यादव मनोज यादव विक्रांत यादव प्रमुख थे।

जमीनी नेताओं से मिलकर कांग्रेस प्रभारी ने किया चुनावी रणनीति पर मंथन

पटना, (नवशक्ति)। बिहार के नवनियुक्त प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने अपने चार दिवसीय बिहार दौरे पर पटना पहुंचे। पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में पटना जिला के तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ घण्टो बैठक की। बैठक का दो एजेंडा था- जनसंपर्क एवं जनसंवाद को दुरुस्त करने के लिए उठाये जाने वाले कदमों पर परिचर्चा एवं संगठन को सुदृढ करने के तरीकों पर विचार। बैठक में इस दिशा में अपनाये जाने वाले भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। बिहार के राष्ट्रीय प्रभारी ने जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं को सेतु बनाकर संगठन को जनमानस से जोड़कर लड़ने का आह्वान किया और चुनावी जीत का फामूर्ला दिया, ह्ललड़ेंगे और जीतेंगेह्न। प्रभारी अल्लावारू ने जमीनी स्तर के कांग्रेसजनों के साथ ग्रामीण स्तर पर जन-अभियान की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रखंड अध्यक्ष से लेकर जिलाध्यक्ष, विधायक, पूर्व प्रत्याशी आदि से सुझाव मांगे एवं संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर विचार मंथन किया। इसके बाद इन नेताओं से मिले फीडबैक के आधार पर प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग से विचार मंथन किया गया। इसके अलावा पटना में उपलब्ध पार्टी विधायकों एवं पूर्व विधायकों के साथ अलग से विचार-विमर्श कर चुनावी जंग के लिए रणनीति के निर्धारण की दिशा विश्लेषण किया गया। इस बैठक में पटना महानगर, पटना ग्रामीण-1 एवं पटना ग्रामीण-2 के अधीन आने वाले वर्तमान एवं पूर्व के सभी जन प्रतिनिधि के अलावा जिलाध्यक्ष, एआईसीसी सदस्य, प्रदेश डेलिगेट,

प्रत्याशीगण, प्रखंड अध्यक्ष आदि लोगों के साथ मैराथन मीटिंग का दौर शुरू हुआ। जमिनी हकीकत जानने के बाद प्रदेश प्रभारी ने प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ उसका विश्लेषण और उसपर मंथन किया। बैठक का संचालन पटना महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष शशि रंजन ने किया। बैठक में श्याम सुन्दर सिंह धीरज, प्रेमचन्द्र मिश्र, लाल बाबू लाल, संजीव प्रसाद टोनी, ब्रजेश प्रसाद मुनन, कपिलदेव यादव, ज्ञान रंजन ,अनिल कुमार, प्रवीण कुशवाहा, राजकुमार राजन, सुमित कुमार सन्नी, रघुनंदन पासवान, कुमार आशीष, राजेश कुमार सिन्हा, गुरुजीत सिंह, चंदन सिंह, आशुतोष शर्मा, रामायण यादव, सत्येन्द्र बहादुर, कुमार कुमार रोहित, असफर अहमद, मनोज मेहता, अशोक गगन, सुधीर शर्मा, सत्येन्द्र यादव, राजनन्दन कुमार, वरूण शर्मा,मुकुल यादव, परवेज अहमद, राजीव मेहता, दुर्गा प्रसाद, वसी अख्तर, कुमार संजीत सहित सभी प्रखंड अध्यक्ष, एआईसीसी डेलीगेट, प्रदेश डेलीगेट मौजूद रहे।

जंग का मैदान बना नगर परिषद कार्यालय, हुई हाथापाई

हालात काबू करने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी

जहानाबाद। नगर परिषद उस वक्त रणक्षेत्र बन गया जब, विकास योजनाओं की समीक्षा के लिए अहम बैठक बुलाई गई थी। नगर परिषद अध्यक्ष और स्थानीय विधायक के सामने ही बैठक में मौजूद वार्ड पार्षद एक दूसरे से भिड़ गए और जमकर हंगामा हुआ।

बात बिगड़ते देख तुरंत पुलिस को बुलाया गया, जिसके बाद पुलिस ने किसी तरह से हालात को काबू में किया। दरअसल, जहानाबाद नगर परिषद कार्यालय के बैठक भवन में सोमवार को विकास योजनाओं को लेकर सभी वार्ड पार्षदों के साथ नगर परिषद अध्यक्ष रूपा देवी की अध्यक्षता में बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में स्थानीय राजद विधायक सुदय यादव भी मौजूद थे। नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी के साथ साथ जिले भर के 33 वार्ड पार्षद इस बैठक में शामिल हुए थे। शुरूआत में यह बैठक सामान्य रूप से चल रही थी लेकिन धीरे-धीरे वार्ड पार्षदों के बीच विकास योजनाओं को लेकर तू-तू मैं-मैं होने लगी। वार्ड पार्षद एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने लगे और धीरे-धीरे यह बात इतनी बढ़ गई कि आपस में गाली गलौज मारपीट शुरू हो गई।

इस दौरान कुर्सियां तक चलने लगीं। मामला बढ़ते देख नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने नगर थाना को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने वार्ड पार्षदों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया। बता दें कि नगर परिषद की बैठक में हमेशा से ही हो हंगामा होते आया है। नगर परिषद के वार्ड सदस्य दो गुटों में बंटे हुए हैं। जिसके कारण एक गुट के लोग दूसरे गुट को लोगों पर हर बैठक में आरोप प्रत्यारोप लगाते रहते हैं। पर आज बोर्ड की बैठक में मामला इतना बढ़ गया कि आपस में गाली गलौज और धक्का मुक्की होने लगी।

मोदी की बातें यानी फरेब की नई पैकेजिंग, झूठ का नया किस्त: डा. अखिलेश सिंह

पटना, (नवशक्ति)। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भागलपुर में दिये गये भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी की बातें मतलब फरेब की नई पैकेजिंग, और झूठ का नया किस्त। मोदी जुमलेबाज हैं इनकी बातें झूठ का पुलिंदा होती है और लोगों को इससे हैरानी भी नहीं होती। मोदी पर हमलावर डा. सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से मोदी के राज्यवार दौरे का गहराई से विश्लेषण करने के बाद मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि वो झूठ की दुकान चलाते हैं और किस्तों में उसका सप्लाई करते हैं। बिहार मोदी के इसी फरेब का शिकार रहा है। मोदी-नीतीश की जुगलबंदी बिहार के लिए आपदा साबित हुई है। उनके वादा और वादाखिलाफी का फेहरिस्त लम्बा है जिसको गिनाने में कई दिन लग जायेंगे। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री ने 18 अगस्त 2015 को पूर्णिया में एयरपोर्ट बनाने का वादा किया था। लोग आज तक एयरपोर्ट का मुँह नहीं देखे। इसी तरह 2019 की एक रैली में मोदी ने मुजफ्फरपुर के पताही एयरपोर्ट को चालू करने का आश्वासन दिया था। 2023 में गृह मंत्री अमित शाह ने भी पताही एयरपोर्ट को शुरू करने का संकल्प दोहराया था। उसी तरह 2015 में बिहार की जनता से 1.25 लाख करोड़ के पैकेज का बड़ा वादा किया था। जबकि नीतीश ने रहस्योदघाटन किया कि मात्र 17 हजार करोड़ ही मिले। अब सड़क परिवहन और राजमार्ग की बात करते हैं मंत्रालय की जानकारी के अनुसारए 44 नियोजित राष्ट्रीय राजमार्गों में से 27 अभी भी अधूरे हैंए जबकि बाकी 17 के लिए अब तक डीपीआर तक तैयार नहीं हुआ है। इसके अलावा भागलपुर के विक्रमशिला में केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए एक ईंट तक नहीं रखी गई। 2013 में साइन किया गया बक्सर थर्मल पावर प्लांट का एमओयू का क्या हुआ आज तक पता नहीं।

आज होगा 'अखिल भारतीय असैनिक सेवा संगीत, नृत्य एवं लघु नाट्य प्रतियोगिता 2024-25' का आगाज

पटना। बिहार सचिवालय स्पोर्ट्स फाउंडेशन के तत्वावधान में केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड, भारत सरकार के मार्गदर्शन में 'अखिल भारतीय असैनिक सेवा संगीत, नृत्य एवं लघु नाट्य प्रतियोगिता 2024-25' का आयोजन 25 फरवरी 2025 से 03 मार्च 2025 तक उर्जा ऑडिटोरियम, राजवंशी नगर, पटना, बिहार में किया जा रहा है। इस आयोजन में अलग-अलग प्रदेशों की 18 टीमें हिस्सा ले रही हैं। कुल मिलाकर लगभग 750 प्रतिभागी इसमें शिरकत कर रहे हैं। इस प्रतियोगिता की खासियत यह है कि इसमें भाग लेने वाले सारे प्रतिभागी सरकारी पदाधिकारी हैं और उनके द्वारा ही अलग-अलग विधाओं में कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। इस भव्य आयोजन के मुख्य अतिथि बिहार के मुख्य सचिव श्री अमृतलाल मीणा होंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बिहार के विकास आयुक्त श्री प्रत्यय अमृत कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। उद्घाटन समारोह 25 फरवरी 2025 को संध्या 5:30 बजे, उर्जा ऑडिटोरियम, राजवंशी नगर, पटना में आयोजित किया जाएगा। यह प्रतियोगिता कई सांस्कृतिक विधाओं में आयोजित होगी जिसमें लघु नाट्य प्रतियोगिता 25 फरवरी से 27 फरवरी तक आयोजित होगी, संगीत प्रतियोगिता अट्ठाईस फरवरी से दो मार्च तक चलेगी, और तीन मार्च को नृत्य प्रतियोगिता होगा। प्रतियोगिता का आयोजन लघु नाट्य, हिन्दुस्तानी संगीत, कर्नाटक संगीत, पाश्चात्य गायन, लोक गायन, वाद्य संगीत सहित विभिन्न श्रेणियों में किया जा रहा है। सभी श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सिविल सेवा पदाधिकारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, अभिनेत्री, गायक समेत सभी विधाओं में पुरस्कार वितरण किए जाएँगे । आयोजन समिति के अध्यक्ष कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव श्री प्रणव कुमार हैं। आयोजन समिति के सचिव वित्त विभाग के विशेष सचिव श्री राहुल कुमार हैं ।भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग अंतर्गत केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड के तत्वावधान में बिहार सचिवालय स्पोर्ट्स फाउंडेशन के सांस्कृतिक प्रभाग द्वारा यह आयोजन कराया जा रहा है। इस आयोजन के सुचारु संचालन के लिए आयोजन के दौरान डॉक्टर, नर्स, फिजियोथेरेपिस्ट और एम्बुलेंस चालक की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है।

मुख्यमंत्री ने मसौढ़ी-नौबतपुर मार्ग पर हुये सड़क हादसे में 07 लोगों की मौत पर शोक संवेदना व्यक्त की

पटना, (नवशक्ति)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मसौढ़ी-नौबतपुर मार्ग पर स्थित धनीचक मोड़ के पास ट्रक और ऑटो में हुई टक्कर के बाद 07 लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को काफी दुखद बताया है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

झूठ का जंजाल परोसने वाले प्रधानमंत्री जी बिहार की अवाम समझ चुकी है : राजद

पटना , (संवाददाता)। राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि भागलपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने झूठ का एक ऐसा पिटारा खोला गया जो लोग समझदार हैं सुनकर अशचार्यचकित है कि प्रधानमंत्री पद पर बैठा व्यक्ति इतना जुठ बोल सकता है, पुलों का जाल बिछा रहे हैं अरे भैया भागलपुर के सुल्तानगंज में पुल कई बार आत्मदाह किया इसकी चर्चा आपने नहीं की, बिहार में दर्जनों पुल खुदखुशी कर ली बिहार में इसकी चर्चा नहीं किया। मक्का के क्षेत्र में, धान के क्षेत्र में, केला के क्षेत्र में आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि दूसरे राज्यों को निर्यात करते हैं। इस मामले में बहुत पहले ही लालू प्रसाद जी बिहार को सशक्त बनाया था। एनडीए सरकार का इसमें कोई योगदान नहीं है। टेक्सटाइल पार्क आपने बनाया तो नहीं, मोकामा में 52 बीघा जमीन है। गया में जमीन है फिर भी आपने बिहार में एक भी टेक्सटाइल पार्क नही दिया। फिशरी के मामले में इतना बड़ा झूठ, मछली उत्पादन करने वाले केवट, मलाह, निषाद जो भाई है हमारे, जो वंशज हैं हमारे उसको माफ किया था, ताड़ी फ्री किया था पासी भाइयों के लिए लालू प्रसाद जी ने। उस समय आपकी राजनीति में चचाएं भी नहीं थी। बिहार को बजट में केंद्र सरकार ने दिया ही क्या मखाना बोर्ड की चर्चा कर रहे है। केला, लीची बोर्ड बना देते। मखाना अनुसंधान केंद्र तो पहले से ही काम कर रहा है। एक पूर्णकालिक निर्देशक नहीं है। यहां भी झूठ बोला गया। जबकि झूठ बोलना गाय खाने के बराबर है। प्रधानमंत्री जी झूठ परोस रहे हैं। असत्य का सहारा ले रहे हैं। ग्रीन फील्ड की बात कर रहे हैं। पैसे कहाँ खर्च कहाँ हो रहे हैं इसकी चर्चा आपने नहीं किया। कोशी नदी परियोजना 60 दशक बाद से ही चल रहा है। बजट मुहैया कराने के नाम पर शून्य बटा शून्य है। यूरिया नहीं मिल रहा है, डीएपी नहीं मिल रहा है। किसान परेशान है कालाबाजारी के शिकार है, भ्रष्टाचार का बोल बाला है। पूंजीपतियों का कर्ज माफ करते हैं। पूंजीपतियों से 2 - 4 सौ करोड़ चंदा लेकर चंदा खोर की एक भूमिका है देश के अंदर है। बिहार को शर्मसार करने वाली मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड की चर्चा अपने क्यों नहीं किया। भागलपुर पीरपैंती ताप गृह की बात कर रहे है, बिजली प्रोजेक्ट की बात कर रहे हैं, जिसे बांका लाया फिर बांका से ले गए भागलपुर पीरपैंती, किसको आइना दिखा रहे हैं। झूठ का जंजाल परोसने वाले प्रधानमंत्री जी बिहार की अवाम समझ चुकी है। कुंभ की सहारा ले रहे हैं, कुंभ में मरने वालों की संख्या सरकार के कुबन्धन के प्रतीक गांव, ग्रामीण इलाके में रहने वालों लोगों ने मौत को गले लगाया है।

नारी शक्ति की दुहाई देने वाले प्रधानमंत्री स्नेहा कुशवाहा बलात्कार-हत्याकांड पर चुप क्यों रहे: माले

- स्नेहा कांड के आरोपियों को सरंक्षण देने वालों को बिहार कभी माफ नहीं करेगा
- प्रधानमंत्री को पता होना चाहिए कि एपीएमसी ऐक्ट खत्म करने वाला पहला राज्य बिहार है

पटना। भाकपा-माले राज्य सचिव कुणाल ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश में महिलाओं की स्थिति में सुधार और नारी शक्ति के बढ़ते उत्थान का उल्लेख किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को बनारस में घटित स्नेहा कुशवाहा बलात्कार-हत्याकांड पर भी बिहार की जनता को सच्चाई बतानी चाहिए थी। इस मामले में यूपी और बिहार दोनों सरकारों ने पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है। यह कैसी नारी शक्ति का उत्थान है जिसमें एक पिछड़े समुदाय से आने वाली छात्रा के साथ बलात्कार होता है और फिर उसकी हत्या कर दी जाती है? आज तक सरकार ने इस मामले पर कोई बयान तक नहीं दिया। हाल के दिनों में यूपी और बिहार में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। क्या प्रधानमंत्री को ये सब दिखाई नहीं देता? उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसान कल्याण योजना की बात की, लेकिन क्या उन्हें यह नहीं पता कि एपीएमसी ऐक्ट को खत्म कर बिहार पहला राज्य था, जिसने किसानों को पूरी तरह से बाजार के हवाले कर दिया? भाजपा-जदयू शासन ने किसानों के साथ सिर्फ मजाक किया है।

भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आज राज्यभर में किसान आंदोलित हैं और वे 2013 की दर से मुआवजे की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है। सिवान में राम जानकी पथ, जहानाबाद में भारत माला, बक्सर, पटना जिले के बिहटा, नवादा समेत कई स्थानों पर किसान आंदोलित हैं, लेकिन सरकार के पास उनकी समस्याओं को सुनने का समय तक नहीं है।कुणाल ने कहा कि भाजपा-जदयू शासन के दौरान चीनी मिलों सहित सभी बड़े उद्योग बंद हो चुके हैं। लोग अब पलायन करने को मजबूर हैं। 95 लाख परिवार केवल 6 हजार रुपये मासिक पर जीवन जीने को बाध्य हैं। जीविका, आशा-रसोइया, आंगनबाड़ी और स्कीम वर्करों के साथ सरकार का अन्याय भी जगजाहिर है। लाखों सरकारी पद खाली पड़े हैं, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं दे रही।

उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में दलितों, गरीबों और महिलाओं पर बढ़ती हिंसा चिंता का विषय है। भाजपा-जदयू शासन के सारे दावे और नरेटिव पूरी तरह से विफल हो चुके हैं। बिहार को अब प्रधानमंत्री मोदी के झांसे की नहीं, बल्कि बदलाव की आवश्यकता है। और बिहार की जनता ने इस बार बदलाव का मन बना लिया है। आगामी 2 मार्च को पटना के गांधी मैदान में राज्य की सभी संघर्षशील ताकतों का महाजुटान होगा।

कार से 6 लाख की 912 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

जहानाबाद। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से 912 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की है। एसडीपीओ संजीव कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर डीआईयू टीम ने उमता धरनई थाना क्षेत्र के बलजोरी बीघा गांव के पास वाहन चेकिंग की।

बरामद शराब की कीमत लगभग 6 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने कार चालक कन्हैया कुमार को गिरफ्तार किया है। वह घोसी थाना क्षेत्र के अतियावा गांव का रहने वाला है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी झारखंड से शराब लाकर पटना में बेचने का काम करता था। एसडीपीओ ने बताया कि एक संगठित गिरोह दूसरे राज्यों से शराब की तस्करी कर रहा है। पुलिस को इस गिरोह के नेटवर्क की जानकारी मिल चुकी है। दो दिन पहले भी हुलासगंज थाना पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया था। होली त्योहार के करीब आने के कारण शराब तस्कर बड़ी मात्रा में शराब बिहार ला रहे हैं। उनकी योजना त्योहार के दौरान ऊंचे दामों पर शराब बेचने की है। पुलिस लगातार छापेमारी कर इस अवैध धंधे पर नकेल कस रही है।

चंद्र मोहन प्रसाद राय बने राजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

पटना, (नवशक्ति)। राष्ट्रीय जनसंभावना पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय पटना में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र सहनी ने छपरा जिला के दरियापुर प्रखंड के ग्राम अकीलपुर के मूल निवासी जो पटना विद्युत बोर्ड से सेवा निवृत करने के बाद चंद्र मोहन प्रसाद राय को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किए हैं। श्री सहनी ने पार्टी में पदाधिकारी बनाए जाने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दिया है। इस मौके पर नव मनोनीत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जी ने कहा है कि इस पार्टी को हम तन मन धन से आगे बढाने का काम करेंगे क्योंकि आरजेडी पार्टी हमारे समाज को दोहन और शोषण करने का काम करती है लेकिन राजपा पार्टी में सबका सम्मान है इसीलिए आज मैं इस पार्टी में सदस्यता ग्रहण किया हूं। इस मौके पर पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सोनू कुमार सिंह, पार्टी के बिहार प्रदेश कोषाध्यक्ष मोतीलाल केसरी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष धनंजय यादव, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण पासवान, प्रदेश उपाध्यक्ष जय मंगल राम इत्यादि ने इनको पदाधिकारी बनाए जाने पर हार्दिक-हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दिया है।

राजद आरक्षण चोर,परिवारवादी पार्टी: डॉ प्रेम कुमार

पटना, (नवशक्ति)। बिहार भाजपा के वरीय नेता व बिहार सरकार के सहकारिता सह पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने तेजस्वी यादव के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आरक्षण पर विधवा-विलाप करने वाले,आरक्षण चोर और परिवारवादी, जंगल राज वादी पार्टी राजद, भाजपा को ज्ञान ना बांटे। भाजपा पर झूठा आरोप न लगाए। जिसके शासन काल में राज्य के पिछड़ों/अतिपिछड़ा का दोहनशोषण किया गया। जिसने जिन्न कहकर राज्य के दबेकुचले की वोट पर सत्ता सुख भोग। पत्नी, बेटा, बेटी को पारिवारिक आरक्षण से सत्ता सुख पहुंचा। वह पार्टी भाजपा पर आरोप ना लगाए। पब्लिक है सब जानती है, अजी अंदर क्या है बाहर क्या है? हमने पंचायत में, नगर निकायों में, नौकरियों में, अति पिछड़ों को20% आरक्षण दिया। ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिलाया। रोहिणी आयोग का गठन कर जातियों की पहचान की। जो वर्ग आरक्षण लाभ से वंचित हैं,उनके लिए आरक्षण का लाभ कैसे मिले इस पर काम किया जा रहा है। हमने मेडिकल, नीट,पीजी में आरक्षण का लाभ दिलाया। अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को और मजबूत बनाया। राजद और तेजस्वी यादव आरक्षण पर अनर्गल प्रलाप बंद करें।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को मंत्री डॉ.प्रेम कुमार ने किया स्वागत

पटना, (नवशक्ति) । भाजपा के वरीय नेता व बिहार सरकार के सहकारिता सह पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के गया आगमन पर उनकी प्रशंसा करते हुए बधाइयां एवं आभार व्यक्त किया। डॉ कुमार ने कहा कि गया जी को उनके द्वारा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का तोहफा दिया जाना हो या अंग्रेजों के जमाने से बने पटना मेडिकल कॉलेज के स्थान पर नए पीएमसीएच अस्पताल, जो एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल होगा, जिसमें 5 000 बेड की क्षमता है का उद्घाटन सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी के साथ कल शामिल होंगे के साथ-साथ कई उल्लेखनीय कार्य उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में किया है। पहले की अपेक्षा अब 12,000 से अधिक माताओं की जान प्रसव के दौरान बचाई जा रही है। यानी 22% मातृ मृत्यु दर में कमी आई है। आयुष्मान कार्ड से ?5,00,000 तक का स्वास्थ्य लाभ की सुविधा देश के 80 करोड लोगों को मिल रहा है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत लाखों रोगियों को डायलिसिस का लाभ स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र पर 60 से 90% कम दर पर दबाए उपलब्ध कराने का काम सहित कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएंपूरे देश में उपलब्ध कराई जा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा जी के उत्कृष्ट कार्य के लिए बिहार की जनता की ओर से उनको बधाई एवं आभार।

विकास योजनाओं की धीमी गति पर पूनम सिन्हा का सीएम को पत्र, शीघ्र स्वीकृति की मांग

संजय कुमार

बिहारशरीफ(नवशक्ति)। जन सुराज पार्टी के महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष एवं बेन से जिला परिषद सदस्य पूनम सिन्हा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर जिले में लंबित विकास योजनाओं की स्वीकृति में हो रही देरी पर चिंता जताई है। उन्होंने मांग की है कि वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23 एवं 2023-24 की लंबित विकास योजनाओं को जल्द से जल्द स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके और जनता को राहत मिल सके। श्रीमती पूनम सिन्हा ने कहा कि नालंदा जिले, विशेष रूप से बेन क्षेत्र में, विकास कार्यों की गति अत्यंत धीमी है। प्रशासनिक बाधाओं के कारण अनेक योजनाएँ लंबित पड़ी हुई हैं, जिससे आम जनता को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कई योजनाओं को अभी तक आवश्यक अनुमति (ठडउ) नहीं मिली है, जबकि कुछ योजनाओं की डीपीआर (उढफ) ही तैयार नहीं की गई है। स्थिति इतनी गंभीर है कि कई योजनाओं का कार्य पूरा होने के बावजूद उनके भुगतान नहीं किए गए हैं।

बेन क्षेत्र में कई योजनाएँ लंबित हैं, जिनमें से अनेक योजनाओं का भुगतान अब तक नहीं हुआ है। वहीं, अंचलाधिकारी (उ.ड.) एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी (इ.ऊड.) स्तर पर भी कई योजनाओं को स्वीकृति नहीं मिल पाई है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में पूनम सिन्हा ने कहा कि वर्तमान जिला परिषद का कार्यकाल तीन वर्ष से अधिक हो चुका है और अब मात्र एक वर्ष एवं कुछ माह शेष हैं। चूंकि कार्यकाल समाप्त होने के छह माह पूर्व चुनावी प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी, ऐसे में यदि विकास योजनाएँ लंबित रहीं, तो यह जनता के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण होगा। पूनम सिन्हा ने बताया कि नालंदा जिले में मनरेगा से जुड़ी योजनाओं की स्थिति भी बेहद खराब है। बेन क्षेत्र में अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी (इ.ऊड.) एवं अन्य पदाधिकारी योजनाओं को समय पर स्वीकृति नहीं दे रहे हैं।

जब किसी योजना को स्वीकृति मिल भी जाती है, तो अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी तरुण कुमार एवं बड़ा बाबू धर्मेंद्र कुमार द्वारा जानबूझकर कार्य में अनावश्यक देरी की जाती है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि ठडउ प्राप्त होने के बाद 18 दिसंबर 2024 को जिला परिषद अध्यक्ष द्वारा स्वीकृति के लिए भेजी गई फाइल पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यह प्रशासनिक लापरवाही का सीधा प्रमाण है ।पूनम सिन्हा ने पत्र में कहा कि नालंदा एकमात्र ऐसा जिला है, जहाँ अब तक किसी भी वित्तीय वर्ष (2021-22, 2022-23, 2023-24) की विकास योजनाओं को क्रियान्वित कर राशि को समाप्त नहीं किया गया है।

वहीं, बिहार के अन्य जिलों में वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 की योजनाओं की राशि खर्च कर दी गई है, और वे अब वित्तीय वर्ष 2024-25 की योजनाओं पर काम कर रहे हैं। नालंदा जिले की यह लचर स्थिति प्रशासन की लापरवाही को दशार्ती है, जिसकी जाँच आवश्यक है।

भ्रष्टाचार की जाँच की मांग, पदाधिकारियों की संपत्ति की हो समीक्षा उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि नालंदा जिले में विकास योजनाओं में हो रही देरी के पीछे भ्रष्टाचार की संभावना की जाँच की जाए। साथ ही, जिन पदाधिकारियों की वजह से योजनाएँ लंबित हैं, उनकी संपत्तियों की भी समीक्षा की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भ्रष्टाचार ही योजनाओं में देरी का कारण तो नहीं है।

पूनम सिन्हा ने पत्र में जिला परिषद सदस्यों के वेतन को लेकर भी चिंता व्यक्त की। वर्तमान में जिला परिषद सदस्यों का पारिश्रमिक मात्र 2,500 प्रति माह है, जो कि अत्यंत कम है। उन्होंने कहा कि इस राशि में बार-बार जिला कार्यालय आना-जाना एवं प्रशासनिक कार्यों की निगरानी करना अत्यंत कठिन हो जाता है। उन्होंने मांग की कि जिला परिषद सदस्यों को योजनाओं की स्वीकृति के लिए बार-बार जिला कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़े और एक ऐसी सुव्यवस्थित प्रणाली विकसित की जाए, जिससे पारदर्शिता बनी रहे ।पत्र के अंत में पूनम सिन्हा ने मुख्यमंत्री से अपील की कि नालंदा जिले की लंबित विकास योजनाओं को शीघ्र स्वीकृति दी जाए, भ्रष्टाचार की संभावनाओं की जाँच कराई जाए, तथा विकास कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

नव शक्ति समाचार पत्र मैं प्रकाशित सामग्री को मौलिक समझकर छापा जाता है। अत: कॉपीराइट संबंधी कोई कार्रवाई संपादक, प्रकाशन एवं मुद्रक पर नहीं की जा सकती है। दावा करने वाले रचनाकर और चित्रकार से संपर्क करें। समस्त विवादों का निपटारा पटना उच्च न्यायालय क्षेत्रान्तर्गत होगा। प्रधान कार्यालय: कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़ पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना-800023 संपादक प्रकाशक - मुद्रक एवं स्वामी: जयप्रकाश चौधरी, कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़, पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना द्वारा एसेन कम्प्यूटर, डा.एनी बेसेन्ट रोड, पटना-4 से मुर्दित। सम्पर्क नम्बर: 9473032029, 9939472461 ईमेल- navshakti2010@gmail.com RNI-BIHHIN/2012/43368

इस समय बिहार में डबल इंजन की सरकार है, ऐसे में बिहार को पिछड़ेपन से निकालने व शिक्षा और स्वास्थ्य को बेहतर करने का पर्याप्त अवसर है: कल्पना इनामदार

पटना। बिहार का समृद्ध इतिहास और इसकी शिक्षा परंपरा कभी विश्वभर में चर्चित रही है। यह महात्मा गांधी की कर्मभूमि रही है और समाजवादी नेताओं का कार्यक्षेत्र भी, जिन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। किन्तु, राजनीतिक इच्छाशक्ति एवं दूरदर्शिता की कमी के कारण आज बिहार अपने गौरवशाली इतिहास पर प्रश्नचिन्ह लगाए खड़ा है। बिहार के युवा शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात रोजगार के अभाव में पलायन कर मजदूर बनने को विवश हैं। खराब स्वास्थ्य व्यवस्था, अव्यवस्थित शिक्षा प्रणाली और अन्य बुनियादी समस्याओं का समाधान अत्यंत आवश्यक है। बिहार के समग्र विकास हेतु विभिन्न क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना अति आवश्यक है।

इस संदर्भ में, बिहार विकास मिशन समिति का गठन प्रधानमंत्री के पर्यवेक्षण में किया जाना चाहिए। सुशासन, कृषि रोडमैप, मिशन मानव विकास, आधारभूत संरचना विकास एवं औद्योगिक प्रोत्साहन के अंतर्गत बिहार के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को प्राथमिकता देकर क्रियान्वित किया जाना चाहिए। बिहार में बढ़ते पलायन को रोकने के लिए मुफ्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा पूंजी की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए, जिसके लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को उचित सहयोग प्रदान करना होगा।

वास्तविकता यह है कि भारत जैसे कल्याणकारी देश में मुफ्त शिक्षा एवं मुफ्त इलाज जैसी बुनियादी सेवाओं के प्रति अपेक्षित प्रयास किए जाने के बजाय कई राज्यों और केंद्र सरकारों ने इनमें विभिन्न शर्तें जोड़ दी हैं, जिसके कारण सरकारी स्कूलों एवं अस्पतालों की स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है।

मनरेगा योजना को आदर्श प्रणाली के रूप में अपनाया जा सकता है। केंद्र सरकार को किसानों को मनरेगा के अंतर्गत शामिल करने का विचार करना चाहिए, जिससे मजदूरों को रोजगार की गारंटी देते हुए किसानों की आय में वृद्धि संभव हो सके। मनरेगा के तत्वों का सदुपयोग कर कृषि में सुधार किया जा सकता है। बिहार, जो गांधी जी की सत्याग्रह भूमि और समाजवादी विचारधारा का केंद्र रहा है, उसे उसके मूल आदर्शों के साथ पुनः विकसित करने की आवश्यकता है। राष्ट्र के सभी घटकों में विभिन्न विचारों एवं आस्थाओं के बावजूद, आपसी प्रेम, एकता एवं भाईचारे को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता में केवल शारीरिक निकटता ही नहीं, बल्कि मानसिक, बौद्धिक, वैचारिक एवं भावात्मक निकटता भी अनिवार्य है। अखंड भारत के निर्माण हेतु सभी धर्मों में एकता एवं अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार को कड़े कानून बनाने चाहिए। यदि मूलभूत समस्याओं की तरफ ध्यान नहीं दिया गया तो अन्ना हजारे जी गाँधी की धरती पर आयेंगे.

झारखण्ड विधान सभा के द्वितीय (बजट) सत्र प्रारंभ होने से पूर्व विधान सभा स्थित स्पीकर कक्ष में विधान सभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो का अभिवादन करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन।

संगठन पर्व का उद्देश्य पार्टी की मजबूती और सर्व स्पर्शी विस्तार: सुनील बंसल

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,प्रदेश सदस्यता प्रभारी राकेश प्रसाद ,प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू,मनोज कुमार सिंह,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पी एन सिंह, डॉ दिनेशानंद गोस्वामी,बालमुकुंद सहाय,विकास प्रीतम,भानु प्रताप शाही,नीलकंठ सिंह मुंडा,सीमा शर्मा सहित संगठन पर्व को सफल बनाने में जुटे जिलों के चुनाव पर्वेक्षक, चुनाव अधिकारी एवं सह चुनाव अधिकारी गण शामिल हुए। बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री एवम चुनाव अधिकारी सुनील बंसल , लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक एवं चुनाव अधिकारी संजय जायसवाल जी का मार्गदर्शन हुआ। संचालन गणेश मिश्र ने,विषय प्रवेश प्रदेश महामंत्री एवम चुनाव अधिकारी सांसद डॉ प्रदीप वर्मा और धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश मंत्री सुनीता सिंह ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री एवं चुनाव अधिकारी सुनील बंसल ने कहा कि संगठन पर्व पार्टी की मजबूती और सर्व स्पर्शी विस्तार का पर्व है। उन्होंने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। आज देश भर में 13.50 करोड़ प्राथमिक सदस्य हैं।

कहा कि पूरे देश में संगठन महापर्व कार्यक्रम चल रहा जिसमे झारखंड भी शामिल है। उन्होंने कहा कि सशक्त भाजपा से ही विकसित भारत , स्वाभिमानी भारत का स्वप्न साकार होगा। कहा कि सशक्त भाजपा का मतलब सर्व स्पर्शी भाजपा,सर्व समावेशी भाजपा,सर्व व्यापी भाजपा। कहा कि भाजपा संगठन विस्तार में महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल दे रही है। सांसद संजय जायसवाल ने कहा कि झारखंड में भाजपा का मजबूत सांगठनिक जनाधार है।

जिसे और विस्तृत,व्यापक बनाने की प्रक्रिया संगठन पर्व में चल रही। भाजपा का संगठन कार्य सतत चलने वाला कार्य है। कहा कि संगठन पर्व भविष्य का कार्यकर्ता गढ़ने का पर्व है। पार्टी के विचारों,नीतियों और कार्यक्रमों को कार्यकर्ता ही धरातल पर ले जाने का माध्यम है। प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के कारण झारखंड में संगठन पर्व विलंब से शुरू हुआ लेकिन हम इसे परिश्रम से समय पर पूर्ण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बूथ से लेकर जिला स्तर की सांगठनिक संरचना को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें।

पीएम किसान सम्मान निधि के 19वें किस्त का प्रदेश भाजपा ने किया स्वागत

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज पीएम किसान सम्मान निधि के 19 वें किस्त के जारी किए जाने का स्वागत किया है। श्री मरांडी ने झारखंड के लाखों किसानों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार प्रकट किया है। श्री मरांडी ने पीएम किसान सम्मान योजना के 6 वर्ष पूरे होने पर देश के सभी किसान भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। कहा कि पिछले 10 वर्षों में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से कृषि क्षेत्र ने तेजी से प्रगति की है। छोटे किसानों को दी जा रही आर्थिक सहायता से उनकी बाजार तक पहुंच बढ़ी है, खेती की लागत घटी है और उनकी आय में वृद्धि हुई है। कहा कि अब तक किसानों के खातों में लगभग साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये सीधे पहुंच चुके हैं। यह प्रयास अन्नदाताओं को सम्मान, समृद्धि और नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

बेटी को सुरक्षा देने में हेमन्त सरकार नाकाम : राफिया नाज

रांची। राफिया ने कहा कि खूंटी में हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले ने इंसानियत को शर्मसार किया, बढ़ते दुष्कर्म मामलों पर चिंता व्यक्त करती बीजेपी प्रवक्ता राफिया नाज ने कहा कि दुष्कर्म की घटना ने इंसानियत को हिला कर रख दिया है।18 लड़कों ने जिस तरह पांच नाबालिग आदिवासी बच्चियों के साथ किया सामुहिक दुष्कर्म,बच्चियों के साथ जो घिनौनी घटना घटी, वह हर किसी के दिल को दहला देती है। कहा कि लगातार इस तरह की घटनाओं से यह पता चलता है कि अपराधीयो के दिलों से प्रशासन और कानून का खौफ नहीं रह और इस प्रकार की रोज रोज घटती घटनाओं के बाद, बेटियाँ अब डर और भय के साए में जीने लगी हैं। कहा कि राज्य में बढ़ते हुए दुष्कर्म के मामलों ने प्रदेश की महिला सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कहा कि राज्य में कभी मेडिकल संस्थानों में दुष्कर्म की घटनाएं होती हैं, तो कभी स्कूल और कॉलेज के पास बेटियों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आती हैं। यह हेमंत सरकार की नाकामी है। हेमंत सरकार में अपराधियों की हिम्मत बढ़ी है। कहा कि एक तरफ मईया सम्मान की राशि में सरकार देरी कर रही है पर वही दूसरी तरफ रोजाना बेटियों के अपमान में कोई देरी नहीं हो रही ।इससे यह साफ होता है कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा में पूरी तरह विफल हो चुकी है। राज्य सरकार को यह समझना चाहिए कि बेटियों को सुरक्षा देना उनका अधिकार है। अगर यही हाल रहा तो जल्द ही राज्य की बेटियां खुद को असुरक्षित महसूस करने लगेंगी ।राफिया नाज ने राज्य सरकार से अपील की है कि वे इस संकट पर तुरंत कार्रवाई करें और महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं। बेटियों का सम्मान और सुरक्षा राज्य सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि यह उनका बुनियादी अधिकार है।

किसानों की समृद्धि के लिए है सम्मान निधि : संजय सेठ

रांची, (नवशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डीबीटी के माध्यम से देश के किसानों को पीएम सम्मान निधि की 19वीं किस्त किसानों के खाते में हस्तांतरित की। इस दौरान किसान विकास केंद्र, रामकृष्ण मिशन, रांची में भी भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रमुख रूप से रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान, कृषि वैज्ञानिक और कृषि कार्यों में रुचि रखने वाले प्रबुद्धजन भी मौजूद रहे। रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने कहा कि किसान सम्मान निधि किसानों की समृद्धि के लिए है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में चार वर्गों की बात की है, जिसमें प्रमुख वर्ग हमारे अन्नदाता किसान है। किसानों का ख्याल रखना, कृषि से जुड़ी उनकी जरूरत का ख्याल रखना, यह श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार कर रही है। इसी के तहत प्रतिवर्ष किसानों को सम्मान राशि के रूप में ?6000 दिए जाते हैं ताकि कृषि कार्यों में उनकी जरूरतें पूरी हो सकें। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री ने कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से उपजाए गए कृषि उत्पादों को भी देखा और इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र और रामकृष्ण मिशन के संयुक्त तत्वावधान में क्षेत्र के किसानों में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आया है। किसान अब प्राकृतिक खेती की तरफ लौट रहे हैं, यह सुखद है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसंधान का प्रतिफल है कि हमारे अन्नदाताओं की पैदावार में लगातार वृद्धि हो रही है। अभी कृषि में बहुत कुछ करना बाकी है ताकि भारत कृषि क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर हो सके। श्री सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जिस विकसित भारत की बात करते हैं, उसमें महत्वपूर्ण योगदान हमारे अन्नदाता किसानों का रहने वाला है। ऐसे में सरकार आपकी हर जरूरत का ख्याल रखेगी ताकि विकसित भारत के निर्माण में आपका महत्वपूर्ण योगदान मिल सके। इस अवसर पर राम कृष्णा मिशन के स्वामी स्वामी भबेशानंद सहित जिला के कृषि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि महोत्सव को लेकर बासुकीनाथ धाम में मंदिर के गुंबद से उतर गया पंचशूल

दुमका/प्रियव्रत झा। सुप्रसिद्ध तीर्थस्थल बासुकीनाथ धाम में फाल्गुन कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि (सोमवार) को चार दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव का आगाज पंचशूल उतारे जाने की परंपरा के साथ हुआ । मंदिर न्यास समिति की ओर से आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में पूरे विधि विधान के साथ शिव एवं पार्वती मंदिर के गुंबद से पंचशूल पवित्र घड़ा त्रिशूल ध्वज एवं पगड़ी नीचे उतारा गया ।बासुकीनाथ मंदिर के विदकारी सोखी कुंवर अपने परिजनों संग मंदिर के पवित्र गुंबद पर चढ़कर पौराणिक परंपरा का निर्वाह करते हुए पंचशूल उतारने की धार्मिक रस्म को पूरा किया। इसके साथ तमाम मंदिरों के शिखरों पर विराजमान त्रिशूलों को भी उतर गया। इस शुभ घड़ी का दीदार करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर प्रांगण में हर महादेव का जय घोष करते नजर आए। मौके पर पांडा पुरोहित मंदिर कर्मी सहित पूजा करने आए शिव भक्त मौजूद थे।

बासुकीनाथ मंदिर सभागार में महाशिवरात्रि की तैयारी को लेकर उप विकास आयुक्त ने की बैठक

दुमका/ प्रियव्रत झा। महाशिवरात्रि को लेकर उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में बासुकीनाथ मंदिर परिसर स्थित सभागार में बैठक आयोजित की गयी ।बैठक में उन्होंने कहा कि 26 फरवरी को निकाले जाने वाले शिव बारात को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाय ।बारात निकलने वाले पथ को पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त रखा जाय ।उन्होंने सभी संबंधित विभाग को अपने कार्य को ससमय पूर्ण करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि को लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बासुकीनाथ पहुँचते हैं ।श्रद्धालुओं को पूजा करने में कठिनाई नहीं हो,वे सुगमतापूर्वक पूजा अर्चना कर सकें इसे सुनिश्चित करें ।उन्होंने कहा कि मेडिकल टीम जरूरी दवाई के साथ उपस्थित रहेंगे ताकि किसी भी विपरीत परिस्थिति में आसानी से निपटा जा सके ।सुरक्षा के दृष्टिकोण से स्थान चिन्हित कर बैरिकेडिंग करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि अग्निशमन वाहन एक्टिव मोड में रहे ।सीसीटीवी के माध्यम से महत्वपूर्ण पॉइंट पर नजर रखी जाए ।उन्होंने कहा कि साज सज्जा से संबंधित सभी कार्यों को पूरा कर लिया जाय ।विधुत सज्जा का कार्य बेहतर ढंग से किया जाय ।उन्होंने कहा कि पार्किंग के संबंध में आवश्यक साइनेज लगाए जाएं लोगों को वाहन खड़ी करने में कठिनाई नहीं हो तथा यातायात भी प्रभावित नहीं हो। बैठक में वरीय अधिकारी, संबंधित विभाग के अधिकारी के साथ पंडा समाज के लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के आदेश पर टनल में फंसे श्रमिकों के परिजनों को हवाई जहाज से लेकर पदाधिकारी तेलंगाना रवाना

रांची, (नवशक्ति)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के आदेश पर तेलंगाना के निमार्णाधीन टनल में फंसे झारखण्ड के श्रमिकों के परिजनों को लेकर पदाधिकारी तेलंगाना रवाना हो गए ।गुमला जिला प्रशासन के नेतृत्व में चार परिवारों के एक-एक सदस्य, पुलिस अधिकारी और गुमला जिला प्रशासन का कर्मी बिरसा मुंडा हवाई अड्डा से तेलंगाना के लिए प्रस्थान किया।

वहीं दूसरी ओर, मुख्यमंत्री के निर्देश पर श्रम विभाग के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं ।तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में स्थित श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल कुल 8 श्रमिक फंसे हुए हैं, जिनमें झारखण्ड के चार, उत्तर प्रदेश के दो, जम्मू-कश्मीर और पंजाब का एक एक श्रमिक शामिल है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम बचाव अभियान में जुटी हुई है ।नियंत्रण कक्ष ने एडिशनल लेबर ऑफिसर (अछड), नागरकुरनूल एवं फंसे हुए झारखण्ड के श्रमिकों के साथ तेलंगाना गए अन्य श्रमिकों से संपर्क किया है।

श्रमिकों ने बताया कि वे जयप्रकाश एसोसिएट्स छळर के अंतर्गत श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल प्रोज्क्ट में कार्य कर रहें हैं ।राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष तेलंगाना प्रशासन एवं वहां मौजूद अन्य श्रमिकों के साथ निरंतर संपर्क में है।

एनडीआरएफ की टीम द्वारा किए जा रहे बचाव कार्यों की नियमित रिपोर्ट ली जा रही है। गुमला जिला प्रशासन के नेतृत्व में गई टीम भी वहाँ पहुँच कर नियंत्रण कक्ष को वस्तुस्थिति से अवगत कराएगा।

जिलाधिकारी ने नीलाम पत्र वाद एवं राजस्व से संबंधित मामले को लेकर किया समीक्षा बैठक

जमुई, नवशक्ति (प्रभाकर कुमार)। जिला पदाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने समाहरणालय परिसर में नीलाम पत्र वाद एवं राजस्व से संबंधित मामले को लेकर अपर समाहर्ता व नीलाम पदाधिकारी तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिले के सभीअंचलों के अंचलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की । जिलाधिकारी ने नीलाम पत्र वाद से संबंधित मामले में प्राथमिकता के आधार पर प्रतिमाह अधिक से अधिक ऋण वसूली करने को कहा 'उन्होंने न्यायालय में प्राप्त अधियाचना एवं अभिलेख का मिलान सुनिश्चित करने, प्राप्त आपत्ति, नोटिस तामिला के लिए लंबित मामले में भी आवश्यक कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया ' साथ ही अग्रणी बैंक प्रबंधक को जिले के सभी बैंकों के बड़े बकायेदारों की सूची संबंधित नीलाम पत्र न्यायालय के संबद्धता के साथ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि ऐसे मामलों का प्राथमिकता के तौर पर निष्पादन हो सके 'बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने राजस्व संग्रहण एवं राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों को लेकर जिले के सभी अंचलाधिकारियों से राजस्व संग्रहण, दाखिल खारिज, भूमि सीमांकन, ई-रेवेन्यू कोर्ट, सक्सेसन म्यूटेशन, पार्टीशन म्यूटेशन, सर्टिफिकेट, परिमार्जन प्लस, ई-मापी, अभियान बसेरा-टू, आरसीएमएस, एग्री सेन्सस फेज-टू, भू-समाधान, न्यायालय वाद समेत विभिन्न विषयों के बारे में अधतन जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक निदेश दिये 'इस सन्दर्भ में अपर समाहर्ता ने विभिन्न अंचलों से प्राप्त अद्यतन प्रतिवेदन रिपोर्ट प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी महोदया ने समर्पित प्रतिवेदन का बिंदुवार समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार राजस्व संग्रहण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ।इस दरमियान उन्होंने दाखिल खारिज मामलों को समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने पर बल दिया साथ ही दस्तावेजों की गहन जांच के बाद निर्णय लेने का निर्देश दिया गया। नियमित रूप से ई-रेवेन्यू कोर्ट करने और ऑनलाइन रिपोर्ट अपडेट करने तथा विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए अंचल में भूमि चिन्हित करने को लेकर भी सभी अंचलाधिकारियों को निर्देशित किया गया ।जिलाधिकारी महोदया द्वारा अधिक से अधिक सर्वेक्षक वास विहीन परिवारों को छंल्लर्'अ' 'ङ्ग३ करने का निर्देश दिया गया ' वहीं आधार सीडिंग एवं ई-मापी से सम्बंधित लंबित मामलों को लेकर देरी करने पर संबंधित पदाधिकारी को कड़ी फटकार लगायी 'तथा जल्द से जल्द निपटाने और त्वरित निष्पादन करने के लिए निर्देश दिया 'उन्होंने सभी राजस्व कर्मचारियों को अपने लॉग-इन में लंबित आवेदनों का ससमय निर्वहन करने के लिए निर्देश दिया गया 'अलावा इसके विभागीय लक्ष्य के अनुरूप भू-लगान वसूली करने का निर्देश दिया गया 'अपर समाहर्ता ने बताया कि वर्तमान जिलाधिकारी के पदस्थापन के समय जमुई जिले का आधार सिडिंग का प्रतिशत 44% था, अभी इसमें कुल 51% की बढ़ोतरी होकर 95% हुआ है, जोकि सूबे में तृतीय स्थान पर पहुंच गया है ' माह सितंबर 2024 में पर्चा वितरण 18 प्रतिशत था, इसमें 77% की बढ़ोतरी होकर आज 95% हो गया है ' जो की सुबह में चतुर्थ स्थान पर पहुंच गया है 'वही माह सितंबर 2024 में दाखिल खारिज का निष्पादन 62% था, जिसमें 25% की बढ़ोतरी होकर आज 87% हो गया है ' माह सितंबर 2024 में परिमार्जन प्लस का मात्र 3% था, जिसमें 75% की अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है जो होगा आज 78% हो गया है 'आगे उन्होंने विधिझव्यवस्था के मामलों में ₹भूमि विवाद₹ मुख्य कारण रहा है। इसलिए अपने अपने अंचलों में राजस्व संबंधी कार्यों के कार्य प्रणाली में सुधार लाने को कहा, ताकि जनमानस को किसी भी तरह का परेशानी का सामना ना करना पड़े। जिलाधिकारी द्वारा सभी अंचलाधिकारी को और भी अच्छा प्रदर्शन करने हेतु निर्देशित किया।